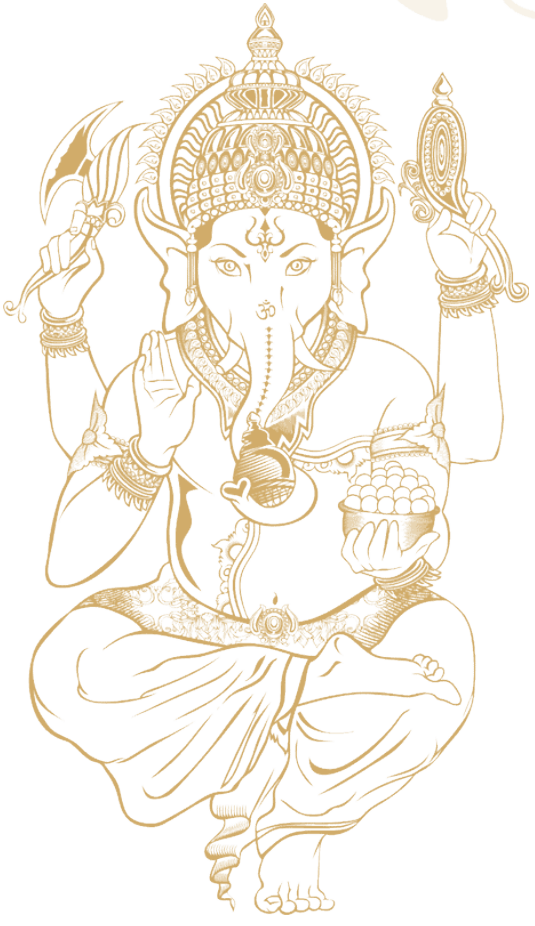

Mr.vivek srivastava

Ms.nirali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119028804

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/06/1994	जन्म तिथि	14/03/1997
सोमवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 22:50:00	जन्म समय	21:45:00 घंटे
घटी 42:07:23	जन्म समय(घटी)	37:25:22 घटी
India	देश	India
Kalyan	स्थान	Panipat
19:17:00 उत्तर	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
73:11:00 पूर्व	रेखांश	76:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:37:16	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:59:02	सूर्योदय	06:33:36
19:15:30	सूर्यास्त	18:29:35
23:47:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:05

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 13वर्ष 2मा 1दि		23:03:41	मक	लग्न	तुला	13:30:55	चन्द्र 6वर्ष 6मा 1दि	
शुक्र		28:40:49	वृष	सूर्य	मीन	00:18:34	राहु	
15/08/2014		19:40:11	कर्क	चंद्र	वृष	14:39:34	15/09/2010	
15/08/2034		21:37:59	मेष	मंगल व	कन्या	03:59:09	15/09/2028	
शुक्र	14/12/2017	14:35:31	मिथु व	बुध	मीन	03:12:44	राहु	28/05/2013
सूर्य	15/12/2018	11:29:24	तुला व	गुरु	मक	17:52:22	गुरु	22/10/2015
चन्द्र	14/08/2020	04:21:09	कर्क	शुक्र	कुंभ	25:32:16	शनि	28/08/2018
मंगल	15/10/2021	18:32:48	कुंभ	शनि	मीन	14:24:21	बुध	16/03/2021
राहु	14/10/2024	29:41:54	तुला व	राहु	कन्या	04:56:01	केतु	04/04/2022
गुरु	15/06/2027	29:41:54	मेष व	केतु	मीन	04:56:01	शुक्र	04/04/2025
शनि	15/08/2030	01:49:20	मक व	हर्ष	मक	13:27:11	सूर्य	26/02/2026
बुध	15/06/2033	28:58:00	धनु व	नेप	मक	05:30:52	चन्द्र	28/08/2027
केतु	15/08/2034	02:11:53	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	11:46:26	मंगल	15/09/2028

लग्न-चलित

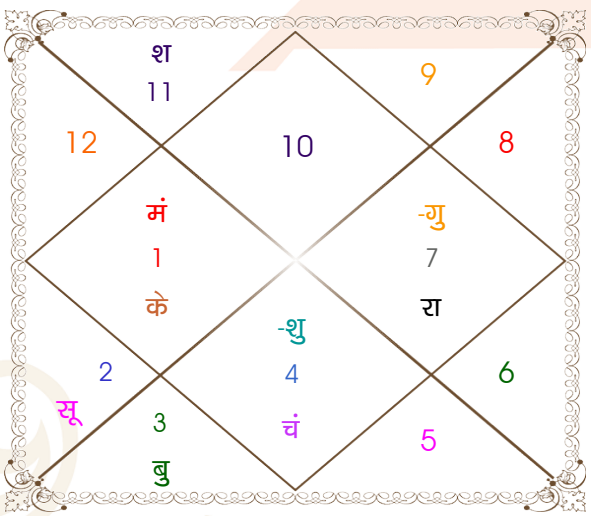

लग्न-चलित

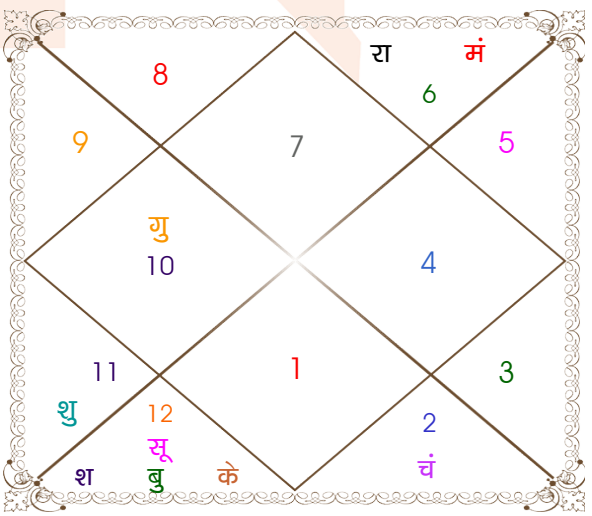

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms.nirali का नक्षत्र रोहिणी है।

Mr.vivek srivastava का वर्ग श्वान है तथा Ms.nirali का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.vivek srivastava और Ms.nirali का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.vivek srivastava मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr.vivek srivastava कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.vivek srivastava कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.nirali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.nirali कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.nirali कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.vivek srivastava तथा Ms.nirali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।